(1)	(2)
इम्प्रोवाईज्ड स्टेनगन	5
हवाई बंदूक	12
गैस बंदूक	1
हथगोले	67
भू-सुरंगे	219
बम्ब	5179
मोर्टार	5
विस्फोटक/जैलाटिन	140 किलो ग्राम
डिटोनेटर	350
कार्तूस	2623
तोप	63
विद्युत फ्यूज	127
पोटाशियम सायनाईड	2 पैकेट
गोलियां	2623 तथा कई तीर और कमान

विदेशी मुद्रा के भंडार में कमी

195. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष में विदेशी मुद्रा के भंडार में और कमी होने के कुछ संकेत प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में विदेशी मुद्रा का कितना भंडार था; और

(ग) विदेशी मुद्रा के भंडार में लगातार गिरावट आने के क्या कारण हैं और इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए इस अवधि के दौरान क्या-क्या विशेष कदम उठाए गए हैं?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडवर्ड कलेरियो) : (क) और (ख) जी, नहीं। विदेशी मुद्रा प्रारक्षित भंडार (सोने और विशेष आहरण अधिकारों को छोड़कर), जो 31-3-1988 को 7287.14 करोड़ रुपए के थे तथा 30-9-1988 को कम होकर 5461 करोड़ रुपए रह गए थे; अब ये प्रारक्षित भंडार बढ़कर 31-10-1988 को 6382.82 करोड़ रुपए के हो गए हैं।

(ग) उपलब्ध संकेतों के अनुसार प्रारक्षित भंडारों में कमी, कुछ आयात अदायगियों के एक साथ इकट्ठे हो जाने, धातुओं, खाद्य तेलों, पेट्रो-रसायनों और अन्य आयात के लिए असामान्य ऊंची अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों, पिछले वर्ष के अप्रत्याशित सूखे के कारण आवश्यक हुई। डीजल, खाद्य तेल, इस्पात और गेहूं जैसी थोक वस्तुओं के आयात में वृद्धि और पिछले वर्ष की तुलना में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से सहायता की कम निवल पावतियां और अधिक वापसी अदायगियों के कारण थी।

भुगतान शेष की स्थिति के लिए सरकार द्वारा तैयार की गई विशेष कार्रवाई योजना का उद्देश्य अतिरिक्त नियति निष्पन्न करना, आयातों को नियंत्रित करना और अनिवासी भारतीयों की जमा राशियों बांडों के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय को बढ़ाना, अतिरिक्त प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष निवेश और पर्यटन प्राप्तियां बढ़ाने के उपाय करना है।